MH

MY VOICE

8882-498-498

MEN'S HUB

MY VOICE

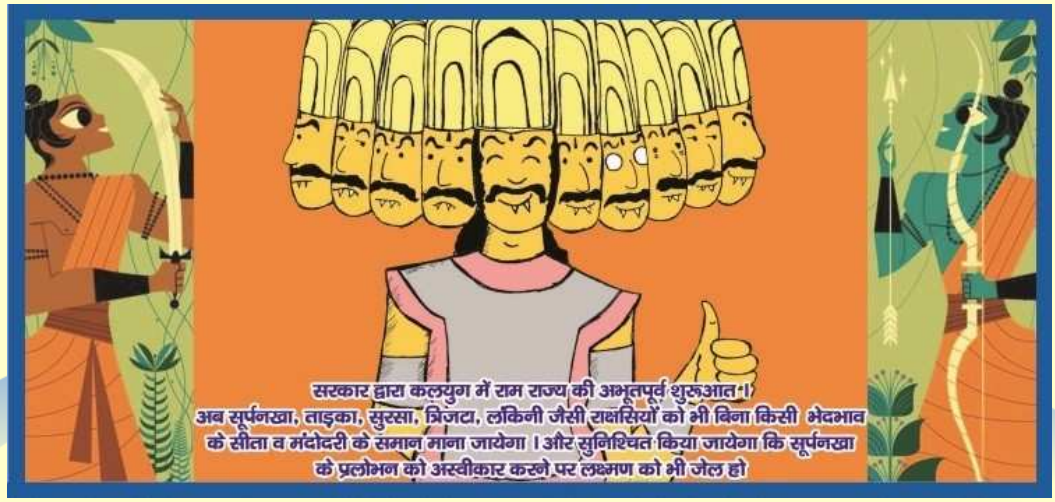

TODAY'S RAVAN

Misandry

Issue 007/008, 1 Oct 2017

दामन Welfare Society

www.daman4men.in

FROM THE DESK OF THE EDITOR

It’s my pleasure to finalize the eighth issue of Men’s HUB, a collection of articles from various professional and casual writers. The collection is not exactly the stories but these are feelings or experience by various people as a common men, we just trying to keep them together.

We are very sorry because we were not able to release seventh issue. Although we tried our best even we tried with a delayed version too, but unfortunately that also didn't worked. There can't be any excuse for the same but we will try our best in future to sort out such problems.

The issue is out just before the festival of lights (Diwali) and Dushera is also in queue. Also the issue is special because it is just after the national meet. So with this issue we are mainly focusing on national issue as well as festivals. Apart from this we are also coming up with new release of Keshav & Sharma. Hope readers & writers support will be with us for this as well and coming issues too.

Also next issue will be out on the evening of new year, if anyone like to send wishes to their friends can communicate with us.

Index

1	*National Meet & Daman Welfare Society*	4
2	*Message from Men's HUB Team*	10
3	*केशव & शर्मा : तलाक*	11
4	*K & S : Divorce*	16
5	*A Whole Iinnocent Generation is Wasting their Time in Court*	21
6	*Today's Ravan - Casual Misandry 01*	23
7	*Today's Ravan - Casual Misandry 02*	24
8	*Today's Ravan - Casual Misandry 03*	25
9	*Today's Ravan - Casual Misandry 04*	26
10	*Today's Ravan - Casual Misandry 05*	27
11	*Today's Ravan - Casual Misandry 06*	28
12	*Today's Ravan - Casual Misandry 07*	29
13	*Today's Ravan - Casual Misandry 08*	30
14	*Today's Ravan - Casual Misandry 09*	31
15	*Today's Ravan - Casual Misandry 10*	32
16	*Father & Kids*	34
17	*Dandiya & Rape*	37
18	*Who Care for My Safety*	39

19	***Family Court / Criminal / Civil Court***	**41**
20	***Haseen Sapne***	**43**
21	***Prerak Prasang***	**44**
23	***You Need to be a Anti Men to get Success in IAS/IPS***	**47**
24	***The Land of Kings : 003 – The Lake & Diamonds***	**49**
25	***Gravity***	**52**
26	***Diwali Wishes***	**55**

National Meet & Daaman Welfare Society

In the year of 2017 'Hridaya Nest for Family Harmony, Kolkatta' organized 9th National Conference on Men's Issues in Kolkata, the City of Joy. The Conference provided an opportunity for experts and principal stakeholders of the men's movement in India and abroad to come together, discuss pressing and dormant issues, resolve and summarize the way forward for the movement.

Daaman Welfare Society also participated in the event with a large number of participants. A few moments from events :

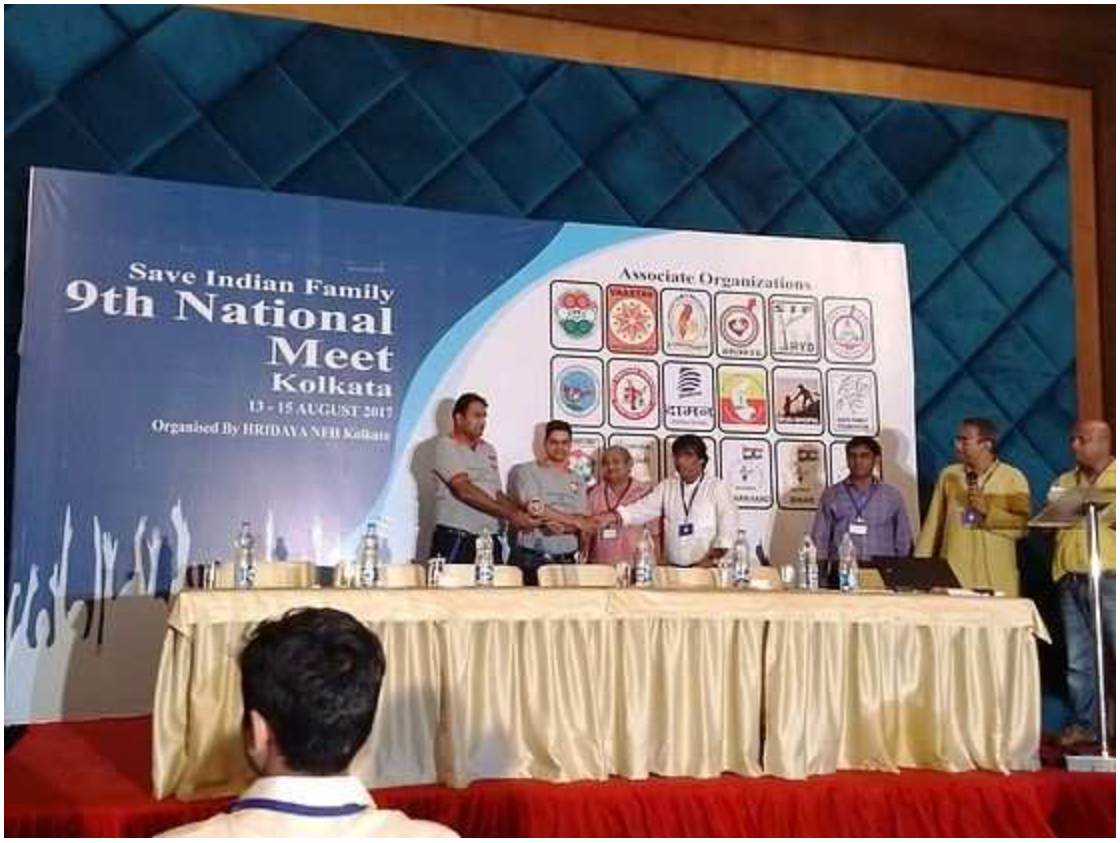
Save Indian Family
9th National
Meet
Kolkata
13 - 15 AUGUST 2017
Organised By HRIDAYA NFH Kolkata
Associate Organizations

Save Indian Family
9th National
Meet
Kolkata

Save Indian Family
9th National
Meet
Kolkata
Associate Organizations

Save Indian Family
9th National
Meet
Kolkata
kin.ey

Message from Men's HUB Team

Men's HUB Team

सितम्बर का महीना समाप्त होने के साथ ही, ओक्टुबर का महीना शुरू होने के साथ ही, एक नया उत्साह के साथ काम करने का .. … शायद लोग समझ जायेंगे की उत्साह का कारण दिवाली है कई मायने मैं यह अनुमान सही है परन्तु ज्यादातर भारतीय नहीं जानते की इसी महीने मैं ही International Men's Day भी है |

कितने लोग दिवाली मानते हैं यह तो पूछने की आवशयकता नहीं परन्तु यह पूछने की आवशयकता जरूर महसूस हो रही है की कितने लोग International Men's Day (IMD) मानते हैं |

Men's HUB की पूरी टीम सभी भारतियों को इस वर्ष चंद घंटे IMD के लिए निकलने का अनुरोध करती है | आप सभी अपने अपने शहर मैं IMD अपने अपने तरीके से सेलिब्रेट करने की शुरुआत करे इस उम्मीद के साथ HAPPY DIWALI

केशव & शर्मा : तलाक

Dr. G.Singh

केशव : अरे क्या हुआ शर्मा जी बहुत दुखी दिखाई दे रहे हैं |
शर्मा : क्या बताऊँ केशव जी कलयुग आ गया बस |
केशव : ऐसा क्या हो गया
शर्मा : अपने रामधन की बिटिया की पिछले साल शादी हुई थी उसका कल तलाक हो गया |
केशव : बढ़िया
शर्मा : बढ़िया आप शायद मजाक कर रहे हैं
केशव : नहीं शर्मा जी मेरे विचार से बढ़िया हुआ पति पत्नी की नहीं बन पायी आराम से अलग हो गए
शर्मा : अरे पर शादी ऐसे ही थोड़े टूट सकती है | शादी जन्मों का बंधन है
केशव : चलिए आप बात ही मान जी की शाद्दी जन्मों का बंधन है | पर अब होगा क्या
शर्मा : होगा क्या रामधन अपनी लड़की के लिए कोई और लड़का तलाश करेगा
केशव : मतलब सायद 1 या 2 साल मैं लड़की का घर बस जायेगा
शर्मा : हाँ शायद
केशव : मतलब कोई बहुत बड़ा तूफान तो नहीं आ गया
शर्मा : कहना क्या कहते हैं आप केशव जी
केशव : चलिए आपकी बात को विस्तार से समझते हैं आइये मेरे साथ
शर्मा : कहाँ
केशव : रोशन के घर और आप कुछ बोलेंगे नहीं बस चुप रह कर सुनिए
शर्मा : ठीक है
रोशन के घर पर
रोशन : आइये केशव जी बहुत दिनों बाद दर्शन दिए
रोशन : अरे शर्मा जी आप भी साथ है आज तो घर के भाग्य जग गए
केशव : रोशन जी आज तो चाय पीने आये है
रोशन : कैसी बात कर दी केशव जी | चाय तो आएगी ही
चाय का आदेश देने के बाद
केशव : और रोशन जी आप कैसे है और बिटिया कैसी है
रोशन : केशव जी आपसे क्या छुपाना | आप तो सब जानते ही है

केशव : कुछ आगे बात बढ़ी
रोशन : 15 साल हो गए | सब कुछ कर के देख लिया पर मुरारी (बिटिया का पति) बिटिया को ले जाने के लिए ही तैयार नहीं हो रहा
केशव : क्या क्या कर के देख लिया
रोशन : आपको तो सब मालूम ही है |
रोशन : समझा कर भी देखा |
रोशन : दहेज़ का केस भी कर के देख लिया |
रोशन : लड़के को जेल भी भिजवाया |
रोशन : लड़के का लाखों रुपया भी लगवा दिया पर फिर भी तैयार नहीं घर बसने के लिए
रोशन : अब तो समझ ही नहीं आ रहा और क्या करें
केशव : तलाक क्यों नहीं ले लेते
रोशन : अब लड़की की उम्र 40 पार कर गयी अब तलाक लेकर क्या करेगी |
केशव : 15 साल पहले ही तलाक ले लिया होता तो सायद बढ़िया रहता ना
रोशन : उस वक़्त यह कहाँ सोचा था | और फिर बिटिया भी राजी कहाँ थी
केशव : ठीक आप अगर कहें तो मैं बिटिया से कुछ बात करूँ |
रोशन : हा हा क्यों नहीं
रोशन के जाने के बाद
केशव : हा तो बिटिया तुम्हारा डाइवोर्स का केस कहाँ तक पहुंचा
बिटिया : अभी फॅमिली कोर्ट से फैंसला आने वाला है
केशव : तलाक का केस तुम्हारे हस्बैंड ने लगाया था न
बिटिया : जी हाँ
केशव : क्या लगता है डाइवोर्स मिल जायेगा तुम्हारे पति को
बिटिया : जी है लगता तो है मिल जायेगा
केशव : तो उसके बाद तुम्हारा क्या प्लान है
बिटिया : हाई कोर्ट और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट मैं भी अपील करना है
केशव : क्या लगता है सुप्रीम कोर्ट से रिजल्ट कब तक आएगा
बिटिया : सायद १० से २० साल लग जायेंगे
केशव : उस वक़्त तुम्हारी उम्र कितनी होगी
बिटिया : मतलब
केशव : चलो छोडो यह बताओ अगर सुप्रीम कोर्ट ने भी तलाक दे दिया तो
बिटिया : तब तक उसकी उम्र ६० से ऊपर हो चुकी होगी
केशव : और तुम्हारी कितनी होगी
बिटिया : ... ...

केशव : चलो छोडो और यह बताओ इस सबमे तुम्हे क्या मिलेगा
बिटिया : शायद कुछ नहीं
केशव : अब यह बताओ की तुम यह सब क्यों करना चाहती हो
बिटिया : उसने मेरी लाइफ बर्बाद कर दी मैं उसे छोडूंगी नहीं
केशव : उसने तुम्हारी लाइफ कैसे बर्बाद कर दी
बिटिया : तलाक कोई छोटी बात है क्या
केशव : यह तो पर्सनल मामला है ना
बिटिया : क्या मतलब
केशव : मेरे लिए तलाक कोई बहुत बड़ा मामला नहीं है | और सायद तुम्हारे पति के लिए भी नहीं
बिटिया : पर मेरे लिए है
केशव : बिलकुल सही कहा तुमने | मैं बस यही सुनना चाहता था
बिटिया : जरा खुल कर बताइये
केशव : देखो तलाक को तुमने अपने लिए समस्या बनाया हुआ है | और यह तुम्हारा पर्सनल मामला है | अगर मैं गलत नहीं हूँ तो यह विचार तुम्हे तुम्हारे माता पिता से ही मिले हैं | पर इस सब की सजा तुम्हारे पति और उसके परिवार को मिली |
बिटिया : … … …
केशव : देखिये शर्मा जी झगड़ा इस बात का नहीं कौन गलत है | झगड़ा सिर्फ इस बात का है की बिटिया तलाक को अपने जीवन का अंत मान कर बैठ गयी है
शर्मा : अगर ऐसा नहीं होता तो क्या होता
केशव : तो आज से १५ साल पहले ही दोनों शांति से अलग हो जाते और अपना अपना घर बसा चुके होते | अब उसका पूरा परिवार सजा काट रहा है सिर्फ इस लिए क्योंकि रोशन ने बिटिया को सिखाया की तलाक मतलब एन्ड ऑफ़ लाइफ
शर्मा : तो हमे क्या करना चाहिए
केशव : अपने बच्चों को यह सिखाओ की डाइवोर्स लाइफ का अंत नहीं है | बल्कि अगर शादी नहीं चल पा रही तो अलग हो कर अपनी लाइफ शांति से गुजारें
शर्मा : ठीक कहा आपने | अब मदद कैसे की जा सकती है | क्या हम मुरारी से मुलाकात करें
केशव : नहीं शर्मा जी उससे कोई फायदा नहीं होगा
शर्मा : क्यों भला
केशव : क्योंकि उसने जो नरक भुगतना था भुगत लिया | अब उसके दिल मैं सिवाए बदले की भावना के कुछ नहीं होगा | और हम इस बारे मैं कुछ नहीं कर पाएंगे
शर्मा : फिर भी कोशिश तो करनी ही चाहिए

केशव : तो कोशिश बिटिया पर कीजिये इसे समझाइये की तलाक से जीवन का अंत नहीं हो रहा |
शर्मा : ठीक
केशव : आईये चले हम लोग
वापिस लोट कर
केशव : हां तो शर्मा जी क्या समझ मैं आया आपके
शर्मा : सिर्फ इतना की रोशन ने अपनी बिटिया को सिखाया की तलाक के बाद ज़िंदगी नरक हो जाती है | और उसकी बिटिया ने अपने पति की ज़िंदगी नरक बना दी साथ मैं अपनी भी बना ली |
शर्मा : पर केशव जी इलाज क्या है
केशव : क्या हम अपने बच्चों को आत्मनिर्भर नहीं बना सकते उनको सिखाएं की तलाक को TABOO नहीं है |
शर्मा : पर इसका मतलब यह तो नहीं की छोटी छोटी बातों पर अलग हो जाएँ
केशव : मामला छोटी या बड़ी बात का नहीं | मामला सिर्फ इतना है की 2 लोग साथ निभा सकते हैं या नहीं
शर्मा : तो रोशन के मामले मैं कुछ कर सकते हैं हम लोग
केशव : नहीं अगर मैं गलत नहीं तो बिटिया सिर्फ बदला लेना चाहती है अपने पति से उस जुर्म का जो उसके माँ बाप ने किया
शर्मा : आप कह रहे हैं की उसके पति ने कोई जुर्म नहीं किया
केशव : बिलकुल आप बताइये बिटिया के दिमाग मैं यह बात कैसे आई की तलाक के बाद सब ख़तम
शर्मा : रोशन ने सिखाया
केशव : मुरारी को उसके माँ बाप ने आने वाले कल के लिए तैयार किया रोशन ने अपनी बिटिया को नहीं किया अब मुजरिम कौन हुआ
शर्मा : इस तरह से देखा जाये तो रोशन ही हुआ
केशव : और सजा किसे मिली
शर्मा : मुरारी को
केशव : तो क्या अब वह बदला नहीं लेगा
शर्मा : शायद लेगा
केशव : तो क्या हम लोग कुछ कर पाएंगे
शर्मा : सायद नहीं
केशव : तो क्यों न हम अपना वक़्त बर्बाद न करते हुए अपने अपने बच्चों को आने वाले कल के लिए तैयार करें

शर्मा : फिर भी कुछ तो करना चाहिए
केशव : जरूर करिये मैं रोक थोड़े ही रहा हूँ
शर्मा : तो कोई राय दीजिये ना
केशव : चलिए सामने जूस सेण्टर पर जूस लेते है बाकि फिर कभी देखेंगे
शर्मा : ठीक

KESHAV & SHARMA : DIVORCE

Translated by Deepak Mittal

Keshav : Hey, what happened Sharma ji, you are looking very sad?
Sharma : Mr. Keshav, it's really a bad era.. What can I say?
Keshav : Oh, What has happened?
Sharma : Mr. Ramdhan's daughter who married last year, got divorced now.
Keshav : It's good!
Sharma : Good? Are you kidding??
Keshav : No Sharma ji, I am not kidding. If husband & wife could not adjust themselves in life its better they get separate out comfortably.
Sharma : Hey, but marriage cannot be dissolve like this. Marriage is a bond of births.
Keshav : Ok, let's take your words that marriage is a bond of births. Now what will happen?
Sharma: Ramdhan will search for a new boy for her Re-marriage.
Keshav : Means within 1-2 years she will be settled again.
Sharma : Yes, may be!
Keshav : Means it's not a big thing, Right?
Sharma : What do you want to say Mr. Keshav ?
Keshav : Let's come with me. I will explain you in detail.
Sharma: Where?
Keshav : To Mr. Roshan's home. You will be quiet & will listen only, ok?
Sharma : Ok
AT ROSHAN'S HOME
Roshan: Welcome, Mr. Keshav . It's very long time to see you.
Roshan : Oh, Mr. Sharma , you are also along. It's really good both of you have come to my house.

Thank You for previewing this eBook

You can read the full version of this eBook in different formats:

- HTML (Free /Available to everyone)
- PDF / TXT (Available to V.I.P. members. Free Standard members can access up to 5 PDF/TXT eBooks per month each month)
- Epub & Mobipocket (Exclusive to V.I.P. members)

To download this full book, simply select the format you desire below